ई–संस्करण, अंक 7

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

नमस्कार,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम सभी लॉकडाउन में हैं और अपने–अपने घर पर हैं, हमने सोचा कि अपने नियमित समाचार पत्र गपशप का ई–संस्करण लाया जाए। हम आपको लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान समय–समय पर इस तरह के ई–गपशप भेजते रहेंगे। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। आप इसे अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और आपके अनुसार जिन्हें भी इन लेखों को पढ़ने में मज़ा आए उनके साथ साझा कर सकते हैं।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

एक साल का चक्र

कभी–कभी साल कैसे बीत जाता है पता ही नहीं चलता। और कभी–कभी एक साल भी कितना लंबा लगता है। खैर जो भी हो, दिन और साल बदलते हैं क्योंकि हमारी पृथ्वी हमेशा घूमती रहती है। यह घूमना दो प्रकार का होता है। एक जिसमें वह लट्टू की तरह एक ही जगह पर घूमती है जिसे आवर्तन (रोटेशन) कहते हैं। इसमें 24 घंटे लगते हैं। इसकी वजह से दिन और रात होते हैं। दूसरा, सूर्य का चक्कर लगाना, जिसे परिक्रमण (रेवोलुशन) कहते हैं। इसमें एक साल का समय लगता है। हमारी पृथ्वी दो गोलार्धों या भूगोलार्धों में बँटी हुई है – उत्तरी और दक्षिणी। और पृथ्वी के परिक्रमण के दौरान सूर्य की स्थिति के अनुसार दोनों गोलार्धों में अलग–अलग मौसम होते हैं।

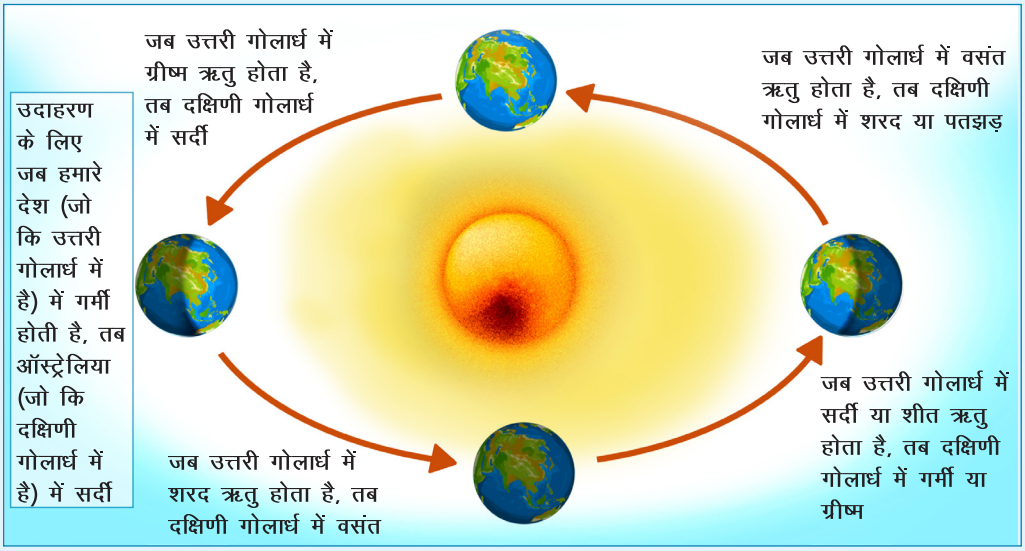

आओ करें कुछ मज़ेदार

पेड़ साँस कैसे लेते हैं

यह तो हम सब जानते हैं कि हर प्राणी साँस लेता है, और साँस लेने की प्रक्रिया में हम सब ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। मगर पेड़ सिर्फ रात को ऐसा करते हैं। दिन में कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। मनुष्यों और जानवरों के साँस लेने की प्रक्रिया को समझना आसान है क्योंकि इनको हम साँस लेते हुए देख पाते हैं, पर पेड़ों के साँस लेने वाली बात समझने में थोड़ी मुश्किल आती है, हैं न? क्योंकि पेड़ों को हम साँस लेते हुए देख नहीं पाते। तो चलिए आज हम आपको पेड़ों को साँस लेते हुए दिखाते हैं।

इस प्रक्रिया को करने के लिए चाहिए

- एक हरा पत्ता
- एक साफ गिलास (अगर कांच का गिलास मिले तो उसका इस्तेमाल करें)
- पानी
- सूरज की रोशनी

निर्देश :

(इस प्रक्रिया को सभी लड़कियाँ अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर करें)

1. गिलास को पानी से भरें।
2. पानी से भरे गिलास में पत्ते को रखकर उस गिलास को धूप में रखें।
3. एक से दो घंटे तक गिलास को वहीं धूप में रहने दें।
4. एक से दो घंटे बाद पत्ते को और गिलास को ध्यान से देखें।

इसके पीछे का विज्ञान :

आपको पत्ते और गिलास के किनारे पर छोटे बुलबुले दिखाई देंगे। बुलबुले पत्ते के ऑक्सीजन छोड़ने की वजह से बनते हैं। दरअसल पेड़ के पत्तों में बहुत छोटे छेद होते हैं। यह छेद इतने छोटे होते हैं कि इन्हें हम देख नहीं सकते। इन्हें देखने के लिए हमें माइक्रोस्कोप नामक यन्त्र का सहारा लेना पड़ता है। यह वही छेद हैं जिनसे वो साँस लेते हैं यानी कि हमारे वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन देते हैं।